Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 13-03-2006
Participants : Bhargav Shri Girdhari Lal

an>

Title : Need to include Rajasthani language in the Eighth Schedule to the Constitution.

श्री गिरधारी लाल भार्गव : मान्यवर अध्यक्ष महोदय, एक छोटी सी, लेकिन बहुत वाजिब बात मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि राजस्थान भारत का सबसे बड़ा प्रदेश है। राजस्थानी भाा बोलचाल में बहुत प्रचलित है। इसका साहित्य भी बहुत बड़ा है। श्री कनी लाल थिकवाल, जो कोलकाता में रह रहे हैं, उन्होंने राजस्थानी भाा की स्तुति में एक गीत भी "धरती धोरां री" लिखा है। भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में जिस प्रकार से देश की अन्य भााओं को मान्यता देकर शामिल किया गया है, मेरी आपके माध्यम से गृह मंत्री जी से प्रार्थना है कि उसी प्रकार राजस्थानी भाा को भी आठवीं अनुसूची में मान्यता देकर शामिल किया जाए, ताकि मैं लोक सभा में राजस्थानी भाा में बोल सकूं और वाद-विवाद में हिस्सा ले सकूं। आपने मुझे इस वि-ाय को उठाने का समय दिया इसके लिए आपको धन्यवाद, लेकिन मेरी आपके माध्यम से प्रार्थना है कि मेरी वाजिब मांग को केन्द्र सरकार मंजूर करे। भारत सरकार के गृह मंत्री जी यहां बैठे हुए हैं, उन्हें भी मैं धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने मेरी बात को सुना। मैं आशा करता हूं कि भारत सरकार मेरी बात पर गौर करेगी और उसकी पालना करेगी।